Downloaded From: http://www.cbseportal.com

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1
29/2
29/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	15
	क	क	क	– शीर्षक • आदर्श और उज्ज्वल चरित्र, • संकल्प और पुरुषार्थ, • महापुरुषों के प्रेरक विचार (कोई अन्य शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
	ख	ख	ख	• 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।' • इसका मूल स्रोत – 'कठोपनिषद्'।	½+½=1
	ग	ग	ग	• उठो, जागो एवं ऐसे श्रेष्ठ जनों के पास जाओ, जो आपका साक्षात्कार प्रभु से करा सकें।	1
	घ	घ	घ	• तुम जो निद्रा में बेसुध व परमार्थी बने पड़े हो, उसका त्याग करो। • आँखें खोल कर अपने ज्ञान को जगाओ। • उन महान पुरुषों के पास जाओ, जो जीवन के चरम लक्ष्य का बोध करा	1+1=2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				सके। (कोई दो)	
	ङ	ङ	ङ	• आस्था, निष्ठा, संकल्प और पुरुषार्थ।	1
	च	च	च	• नैतिक मूल्यों को नकार देना। • सही–गलत की समझ न होना। • 'मैं' के संवेदन का होना।	2
	छ	छ	छ	• औरों के नज़रिये से, • मान्यता से, • पसंद से, • स्वीकृति से।	1
	ज	ज	ज	• दूब की तरह बुराइयों का फैलाव, • उनकी जड़ों का उथला होना, • उन्हें उखाड़ फेंकना।	2
	झ	झ	झ	• खुली आँखों से अपने–आप को पहचानना, • औरों के नज़रिए से भी स्वयं को तोलना, • अपनी मान्यताओं का विश्लेषण करना।	2
	ञ	ञ	ञ	• आदत और संस्कारों को बदले बिना सुख, साधना व साध्य संभव नहीं है।	1
	ट	ट	ट	• उपसर्ग – 'परि' ½ • प्रत्यय – 'इक' ½	1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
2.	2. क	1. क	2. क	**अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर–** • मातृभूमि के लिए कहा गया है। • जिसकी देख–रेख में हमारा पालन–पोषण हुआ है।	**1x5=5** 1
	ख	ख	ख	• माता अपने जीवन–पर्यंत बच्चे का लालन–पालन सभी करती है जबकि मातृभूमि बच्चे के जीवन–पर्यंत तक देखभाल, पालन–पोषण आदि करती है।	1
	ग	ग	ग	• अलंकारों का प्रयोग– पहली पंक्ति में – उपमा अलंकार (माता–सा) अंतिम पंक्ति में – रूपक अलंकार (चरण–कमल) ½+½	1
	घ	घ	घ	• मातृभूमि की दया हम सभी पर इतनी अधिक है कि हम उसका अपने स्वप्नों में भी अंत नहीं कर सकते। हम स्वयं में भी दया को महसूस करते हैं।	1
	ङ	ङ	ङ	केंद्रीय भाव– • मातृभूमि माता के समान हमारे जीवन पर उसका उपकार, लालन–पालन तथा सुख–समृद्धि सभी कुछ प्राप्त है। वह • हमें स्वर्ग से भी अधिक प्यारी है।	1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • भूमिका 1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6 (चार बिंदुओं का प्रतिपादन) • उपसंहार 1 • प्रस्तुति शैली व विषयानुरूप शुद्ध भाषा 1+1	**10**
4.	4.	4.	4.	**पत्र–लेखन :** • आरम्भ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 3 • विषयानुरूप भाषा एवं प्रभाव 1	**5**
5.	5.	5.	5.	**प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–**	**1x5=5**
	क	क	क	• जनसंचार में सूचनाओं, विचारों और भावनाओं को लिखित, मौखिक या दृश्य–श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरे जगह पहुँचाना।	1
	ख	ख	ख	• द्वारपाल वह व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह है जो जनसंचार माध्यमों से प्रकाशित या प्रसारित होने वाली सामग्री को नियंत्रित एवं निर्धारित करता है। • वे सार्वजनिक हित, पत्रकारिता के सिद्धांतों, मूल्यों और आचार–संहिता के	1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				अनुसार सामग्री को संपादित, प्रसारित व प्रकाशित करते हैं।	
	ग	ग	ग	वस्तुपरकता – • वस्तुपरकता का संबंध तथ्य से है। • संपादन में सत्यता को ही लिया जाता है।	1
	घ	घ	घ	• ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना– सन्1936 • संस्था का नाम – प्रसार भारती	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	• जिसमें न सिर्फ उस विषय–विशेष की गहरी जानकारी होनी चाहिए, बल्कि उसकी रिर्पोटिंग से संबंधित भाषा और शैली पर भी पूरा अधिकार होना आवश्यक है।	1
6.	6.	6.	6.	**आलेख–लेखन :** • विषय वस्तु 2 • आकर्षक प्रस्तुति एवं उसका प्रभाव 2 • भाषायी शुद्धता 1	**5**
				<u>खंड – ग</u>	
7.	7.	9.	7.	**सप्रसंग व्याख्या –** • प्रसंग 1 • संदर्भ 1	**8**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• व्याख्या बिंदु 5 • विशेष/काव्य–सौंदर्य 1 **जो है .... नमी है।** कवि – केदारनाथ सिंह कविता – 'बनारस' संदर्भ – बसंत के आगमन पर बनारस में होने वाले परिवर्तन। व्याख्या बिंदु – • बनारस में अचानक बसंत का आगमन। • बसंत का प्रभाव दशाश्वमेध घाट के पत्थरों पर भी। • कठोरता छोड़ नरम हो जाना। • बंदरों की आँख में नमी। • चारों ओर जीवंत वातावरण। विशेष – • खड़ी बोली। • मुक्त छंद। • बिम्बों और प्रतीकों का सफल अंकन। • लय का निर्वाह। • चित्रात्मक अभिव्यक्ति।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **राघौ .... हिम मारे।** कवि – तुलसीदास कविता – 'पद' गीतावली से उद्धृत। संदर्भ – राम के वियोग में दुखी अश्वों को देखकर माँ कौशल्या का श्रीराम से अयोध्या लौट आने का आग्रह। व्याख्या बिंदु– ● राम से घर लौट आने का आग्रह। ● राम के वियोग का प्रभाव पशुओं पर भी। ● भरत का सेवा–भाव और कारण। ● पाले से प्रभावित कमल से तुलना। विशेष– ● अवधी भाषा। ● तत्सम शब्द। ● पुनरुक्ति प्रकाश, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा अलंकार। ● माता के मन की वेदना का मार्मिक चित्रण।	
	–	7 क	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –** ● बदलते हालात और मानवीय संबंधों में निरंतर परिवर्तनों के कारण सत्य की पहचान कठिन। ● पौराणिक पात्रों तथा संदर्भों द्वारा सत्य को समझना आसान।	**3+3=6**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• सत्य का रूप, आकार, पहचान नहीं, आत्मा की आंतरिक शक्ति।	1+1+1
	–	ख	–	• प्रेम की आशा का पूरा न होना। • हूणों के आक्रमण में अपने परिवार के सदस्यों को खोना। • जिससे प्रेम करती थी उसका किसी और से प्रेम करना। • असफलता, उपेक्षा तथा निराशा प्राप्त होना।	1+1+1
	–	ग	–	• पति के त्याग, समर्पण की भावना। • पति के आने वाले रास्ते में स्वयं को बिछा देना। • राख होकर भी पति का स्पर्श–सुख पाना।	1+1+1
8.	8.			**किन्हीं दो के उत्तर अपेक्षित–**	**3+3=6**
	क	–	–	• कार्नेलिया के मुख से भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन– • भारत देश लालिमा, उत्साह से परिपूर्ण, सूर्योदय का दृश्य आकर्षक मनोहारी। • राष्ट्र प्रेम, विदेशी पक्षियों व लोगों का अपनत्व भरा आगमन। • यहाँ के निवासियों में करुणा भाव।	1+1+1
	ख	–	–	• जीवन में निरंतर बढ़ती पीड़ा को भुलाने के लिए गीत गाना।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• पीड़ा की अतिशयता से उत्पन्न व्यथा को रोकना। • मानवता की बुझती लौ को बचाने के लिए स्वयं को जलाना।	1+1+1
	ग	–	–	• हृदय रूपी प्रेम पत्र पर घनानंद द्वारा सुजान के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति। • कवि द्वारा हृदय रूपी पत्र को प्रेयसी सुजान को सप्रेम भेंट। • पत्र पाते ही प्रेयसी सुजान द्वारा बिना पढ़े अनजान की तरह टुकड़े–टुकड़े कर देना।	1+1+1
	–	–	9. क	• देवी सरस्वती की उदारता अपरंपार है। • उनका न कोई गुणगान कर सका है न कर सकेगा। • देवता, सिद्ध, ऋषिराज आदि का वर्णन करने में हारे।। • सरस्वती की उदारता का वर्णन ब्रह्मा, विष्णु आदि नहीं कर सके।	1+1+1
	–	–	ख	• राम अपराधी पर क्रोध नहीं करते। • खेल में स्वयं हारकर मुझे जिताते रहे हैं। • बचपन से ही साथ दिया। • नेत्र श्रीराम के दर्शन के लिए लालायित।	1+1+1
	–	–	ग	• मनुष्य आधुनिकता और व्यस्तता के कारण प्रकृति से दूर। • प्रकृति के सौन्दर्य, हरियाली, पुष्प, कोयल,	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				भौंरे, राग, रस, गंध आदि से दूर होता जा रहा है।	1+1+1
9.	9.	8.	8.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित–**	**3+3=6**
	क	क	क	काव्य सौंदर्य • भाव सौंदर्य 1 • शिल्पगत सौंदर्य 2 कुसुमित.............कान। भाव सौंदर्य – • नायिका की विरह–व्यथा की व्यंजना। • प्रेम के आलंबन–बगीचे : कोयल की आवाज, भ्रमरों की गुंजार आदि नहीं सुनने का प्रयास। शिल्प सौंदर्य– • मैथिली भाषा। • विरह–वर्णन। • पद–शैली। • अनुप्रास अलंकार। • वियोग श्रृंगार।	
	ख	ख	ख	**यह......................पूत पय।** भाव सौंदर्य– • नई कविता का अन्यतम उदाहरण।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• व्यक्तिगत सत्ता में समस्त गुण, शक्तियाँ, संभावनाएँ छिपीं। शिल्प सौंदर्य– • 'जीवन – कामधेनु' तथा 'अमृत–पूत' में रूपक अलंकार। • तत्सम् प्रधान खड़ी बोली। • प्रतीकात्मकता, बिम्ब विधान।	
	ग	ग	ग	**इस................. तर्पण।** भाव सौंदर्य– • कविता–सृजन के पथ पर किए गए कार्यों की शपथ लेना। • पुत्री को संबोधित करते हुए अपने कर्मों को तर्पण रूप में अर्पित करना। • अपने शुभ कर्मों का फल पुत्री के लिए छोड़ देना। शिल्प सौंदर्य – • खड़ी बोली तत्समप्रधान शब्दावली भाषा। • छंदमुक्त लेकिन लयात्मक। • व्यथा की अभिव्यक्ति। • उपमा अलंकार।	
10.	10.	11.	10.	**गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** • प्रसंग 1	6

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

<table>
<tr><th rowspan="2">प्रश्न सं.</th><th colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</th><th rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</th><th rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</th></tr>
<tr><th>29/1</th><th>29/2</th><th>29/3</th></tr>
<tr><td></td><td>

अथवा</td><td>

अथवा</td><td>

अथवा</td><td>
संदर्भ 1
व्याख्या बिंदु 4
स्वातंत्र्योत्तर........................जान पड़ता है।

लेखक – निर्मल वर्मा
पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं'
संदर्भ – स्वतंत्रता के बाद के शासकों ने अन्य बातों को ध्यान में रखे बिना औद्योगिकरण के मार्ग को चुना। वर्तमान समस्या उनकी नासमझी की देन।
व्याख्या बिंदु–
भारतीय समाज की बुनावट।
मनुष्य और संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध।
नाजुक संबंधों का नष्ट होना।
पश्चिम के विकास प्रारूप को स्वीकार करना।
भारतीय स्वरूप को नहीं समझ पाना।
विशेष–
तत्सम प्रधान खड़ी बोली।
'ट्रेजडी' जैसे अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग।
चिंतन प्रधान शैली।
अथवा
चारों...............देती है।
लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी
पाठ – 'कुटज'
</td><td></td></tr>
</table>

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				संदर्भ – 'कुटज' की विशेषता बताना। व्याख्या बिंदु– • कठिन परिस्थितियों में भी मुस्कुराते रहना। • जीने की शक्ति को कठिनाई में भी प्राप्त करना। • अकेले में भी प्रसन्न रहना। • जीने की इच्छा, अन्तर्शक्ति ही मनुष्य को कुटज बना सकता है। • जीवन महत्वपूर्ण। विशेष– • तत्सम प्रधान खड़ी बोली। • प्रतीकात्मक भाषा का प्रयोग। • वर्णनात्मक शैली। • अभिधा, लक्षण शब्द–शक्ति।	
11.	11.			**– किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –**	**4+4=8**
	क	–	–	• देवदास प्रेमी युवक का प्रतीक। • पारो से संभव प्रेम करता है। • देवदास की तरह संभव भी पारो के प्रेम में बेचैन • साहित्यिक देवदास की स्थिति और भावनाओं से संभव की समीपता।	1+1+1+1
	ख	–	–	• मिल मालिक द्वारा मजदूरी नहीं दिए जाने के उपाय सोचना।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• मजदूरों से अधिक से अधिक काम करवाने के उपाय तथा मुनाफा कमाना। • वैज्ञानिक, कटे हुए हाथ लगवाना। • अंत में मजदूरी आधी करना।	1+1+1+1
	ग	–	–	विशेषताएँ– • संवाद को ठीक प्रकार से याद रखना पड़ता है। • भाव और भाषा वैसी ही जैसी उसे बताई गई है। • सुर और स्वर का ध्यान रखना। न सुना सकने के कारण– • संवाद का करुण तथा हृदय विदारक होना। • बड़ी बहुरिया को गाँव की लक्ष्मी मानना। • अपने गाँव तथा बड़ी बहुरिया के परिवार का नाम खराब होने की चिंता।	2+2
	–	12 क	–	• घड़ी के पुर्ज़े के माध्यम से धर्म के रहस्यों, धर्म के उपदेशकों को समझना। • धर्म के उपदेशक, धर्म के रहस्य को आम जनता को नहीं जानने देते। • उनके अज्ञान का लाभ उठाते, स्वार्थ सिद्ध करते हैं। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	1+1+1+1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	ख	–	• इलाहाबाद के संग्रहालय को ब्रजमोहन व्यास का अप्रतिम योगदान। • विभिन्न स्थानों से संग्रहालय के लिए वस्तुओं का संग्रह। • दो हज़ार पाषाण मूर्तियाँ, पाँच–छह हज़ार मृणमूर्तियाँ, कई हज़ार चित्र, हस्तलिखित पुस्तकें आदि का संग्रह। • बहुत कम मूल्य में अमूल्य वस्तुओं को जुटाना। • भवन–निर्माण तथा नेहरू से उद्घाटन।	1+1+1+1
	–	ग	–	• 'पांचजन्य' का अर्थ शंख। • इसकी ध्वनि युद्धभूमि में उतरने के लिए आमंत्रित करती है। • ऐसा साहित्य जो दुखी, पराधीन जनता में उत्साह भर कर जीवन–युद्ध जीतने की प्रेरणा दे। • मानव–समाज को कर्म पथ पर बढ़ कर कायरों को ललकारने की प्रेरणा देता है।	1+1+1+1
	–	–	11. क	• संवदिया के रूप में हरगोबिन कुशल। • सुर और संवाद के निर्वाह में सक्षम। • संवेदनशील, मददगार, मर्यादा की समझ तथा रक्षक। (पाठ से एक – दो उदाहरण अपेक्षित।)	1+1+1+1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	–	–	ख	• संभव द्वारा श्रद्धा से मनोकामना की गाँठ लगाना और तत्क्षण पारो का दिखना। • लड़की सफेद साड़ी में लाज से गुलाबी। • पारो द्वारा मंसा देवी पर चुनरी चढ़ाते हुए मनोकामना के बारे में सोचना।	1+1+1+1
	–	–	ग	• यासेर अराफात फिलिस्तीन में होने वाले आंदोलन के बड़े नेता। • विनम्र, दयालु और सामाजिक। • लेखक का स्वागत स्वयं आगे बढ़कर। • फल अपने हाथ से छील–छील कर खिलाना। • गुसलखाने के बाहर तौलिया लेकर खड़े रहना आदि।	
12.	12.	10.	12.	**जीवन परिचय** किसी एक का संक्षिप्त जीवन परिचय अपेक्षित– • जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 2 • साहित्यिक विशेषताएँ सोदाहरण 2 **रामविलास शर्मा (1200–2000)** जन्म एवं जीवन परिचय – • उत्तर–प्रदेश के उन्नाव ज़िले में।	6

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. तथा पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। • लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी अध्यापन का कार्य प्रारंभ बाद में आगरा में अंग्रेजी के प्राध्यापक। • जीवन के आखिरी दिनों में साहित्य समाज और इतिहास से संबंधित चिंतन और लेखन। • पुरस्कार– भारत–भारती, साहित्य अकादमी, व्यास–सम्मान, शलाका सम्मान। रचनाएँ– • 'भारतेंदु और उनका युग', • 'महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण', • 'प्रेमचंद और उनका युग', • 'निराला की साहित्य साधना' (तीन खंडों में) • 'भाषा और समाज' आदि। भाषा–शैली की विशेषताएँ – • भाषा की सरलता। • सजीवता और गंभीरता। • मनोहारी।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				भीष्म साहनी (1915–2003) जन्म एवं जीवन परिचय – • रावलपिंडी में जन्म। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. और पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच.डी.। • अध्यापन कार्य अंबाला कॉलेज, खालसा कॉलेज (अमृतसर), जाकिर हुसैन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)। • 'विदेशी भाषा प्रकाशन गृह' मास्को में भाषा के अनुवादक रहे। • 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी ने उन्हें 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया। रचनाएँ – 'भाग्य रेखा', 'भटकती राख', 'पहला पाठ', 'वाङ्चू', पटरियाँ', 'शोभा यात्रा', 'निशाचर', 'डायन', 'पाली' (कहानी संग्रह), 'हानूश', 'माधवी', 'मुआवजे', 'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक), 'गुलेल का खेल' (बालोपयोगी कहानियाँ) आदि। नई कहानियों के कुशल सम्पादक। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में पंजाबी भाषा की सोंधी–सोंधी महक महसूस की जा सकती	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				है। ● भाषा में उर्दू शब्दों का प्रयोग विषय को आत्मीयता प्रदान करता है। छोटे–छोटे वाक्यों का सफल प्रयोग करके विषय को रोचक एवं प्रभावी बना देते हैं। ● संवादों का सटीक प्रयोग वर्णन में ताजगी ला देता है। (कोई एक उदाहरण सहित)	
	अथवा 12.	अथवा 10.	अथवा 12.	**अथवा** **<u>अज्ञेय : (1911–1987)</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – ● सन् 1911 में उत्तर प्रदेश के जिला देवरिया के कुशीनगर में। ● 'अज्ञेय' उपनाम से काव्य रचना की। ● कॉलेज जीवन में वे क्रांतिकारियों के संपर्क में। ● चार वर्ष जेल में, दो वर्ष नज़बंद भी। ● जोधपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर। ● पुरस्कार–साहित्य अकादमी, भारत–भारती, भारतीय ज्ञानपीठ से सम्मानित किया। रचनाएँ– 'भग्नदूत', 'चिंता', 'इत्यलम', 'हरी घास पर क्षणभर, 'आँगन के पार द्वार', 'सुनहले शैवाल' (काव्य–संग्रह),	6

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				'शेखर : एक जीवनी', 'नदी के द्वीप', 'अपने–अपने अजनबी' (उपन्यास) 'त्रिशंकु', 'आत्मने पद' (निबंध), 'अरे यायावर रहेगा याद', 'एक बूँद सहसा उछली' (यात्रा वृत्तांत), 'विपथगा', 'परम्परा', 'शरणार्थी' (कहानी संग्रह) आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • प्रयोगवादी कवि। • रचनाओं में वैयक्तिकता का स्वर। • प्रकृति प्रेम एवं मानव–मन के अन्तर्द्वन्द्वों का प्रकट करना। • काव्य में पीड़ा बोध। • व्यंग्यात्मकता। • व्यक्ति की स्वतंत्रता का आग्रह। • समाज का महत्व। भाषा शैली– • शब्द–चयन के प्रति सजगता। • शिल्प नए प्रयोगों से परिपूर्ण। • नए प्रतीकों और नवीन उपमानों को अपनाया। • भाषा काव्य–विषयों एवं भावों के सर्वथा अनुकूल।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
				अथवा **<u>मलिक मोहम्मद जायसी : (1492–1542)</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • सन् 1492, उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के निकटवर्ती गाँव 'जायस' में । • सूफी मत के अनुनायी। • विचार–व्यक्तित्व और कवित्त्व–कौशल से प्रभावित होकर अमेठी के तत्कालीन राजा रामसिंह ने अपने पास अमेठी बुला लिया। रचनाएँ– 'पद्मावत', 'अखरावट', ' 'आखिरी कलाम' आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • प्रेमाख्यान काव्य–लेखन की परम्परा को आपने प्रौढ़ता प्रदान की। • सूफी सिद्धांतों का प्रतिपादन करने वाली रचनाएँ लिखीं। • लौकिक प्रेम के माध्यम से अलौकिक प्रेम की ओर अग्रसर होने वाली आध्यात्कि चिंतन दृष्टि। भाषा – शैली– • सहज–सरस और जन–संवेदनीय भाषा शैली।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• फारसी की मसनवी शैली का प्रयोग। • ठेठ अवधी। • दोहा – चौपाई। • लक्षणा, व्यंजना, अप्रस्तुत – योजना, बिंब–विधान, प्रतीकात्मकता, लोकोक्तियों, मुहावरों का प्रयोग। • अनुप्रास, रूपक, उपमा अलंकारों का प्रयोग।	
13.	13.	13.	13.	<u>**प्रकृति सजीव नारी बन गई :**</u> • नारी की तुलना प्रकृति से। • नारी का सौंदर्य बिसनाथ के हृदय में अंकित। • जूही की लता से नारी की तुलना। • बरसात की भीगी चाँदनी की उपमा देना। • जूही के फूलों की सुगंध का अनुभव करना। • प्रकृति नारी के रूप में सजीव। • चाँदनी, फूल, खुशबू तथा आकाश की सभी उपमाओं से अलंकृत नारी साक्षात् प्रकृति। **अथवा** • सूरदास का पुनर्निर्माण में विश्वास। • किसी से प्रतिशोध लेने में विश्वास न करना। • कर्मशील व सहनशील।	**5**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

<table>
<tr><td rowspan="2">प्रश्न सं.</td><td colspan="3">प्रश्न पत्र गुच्छ सं.</td><td rowspan="2">उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु</td><td rowspan="2">निर्धारित अंक विभाजन</td></tr>
<tr><td>29/1</td><td>29/2</td><td>29/3</td></tr>
<tr><td>14.</td><td>14.

क

ख

.</td><td>14.

क

ख</td><td>14.

क

ख</td><td>• हारा नहीं माननेवाला, दृढ़–व्यक्तित्व।
• संकल्प का धनी व आशावान।

दो प्रश्नों के उत्तर–

• पहाड़ पर रहने वाले लोग प्राकृतिक आपदाओं से जूझने में सक्षम।
• संघर्षमय जीवन और जीविकोपार्जन की समस्या।
• भूस्खलन, भौगोलिक कठिनाई को झेलते हुए प्रसन्न रहना।
• भूप सिंह के साहस, परिश्रम तथा जीवन के प्रति सकारात्मक सोच का चित्रण।
• सरकारी स्तर पर सहयोग के अभाव में कठिनाई अधिक।
• बचपन से ही श्रमिक बनने पर मजबूर।

• नदियाँ औद्योगिकरण की शिकार।
• कारखानों की गंदगी नदियों में निष्काशित।
• लोगों द्वारा कूड़े–कचरे प्रवाहित करना।

(उचित दिशा में प्रयास के लिए.........बच्चों के तर्क के साथ उत्तर स्वीकार्य)</td><td>5+5=10</td></tr>
</table>

Downloaded From: http://www.cbseportal.com